जैतपुर, कोटा में माननीय अध्यक्ष का भाषण

———

जैतपुर के मेरे किसान भाइयों, माताएं और बहनों, मेरे प्यारे विद्यार्थियों और इस स्कूल के प्रधानाचार्य और अध्यापकगण, आप सबको बहुत-बहुत शुभकामनाएं कि आपके विद्यालय में अतिरिक्त विज्ञान कक्ष के भवन का लोकार्पण हुआ। 70 लाख रुपये की लागत से यह भवन बना।

मुझे प्राचार्य महोदय ने बताया कि यहां पर बड़ी संख्या में 600 से ज्यादा विद्यार्थी पढ़ते हैं। इन विद्यार्थियों के सपने, इनका आत्मविश्वास, इनकी लगन, इनकी कड़ी मेहनत मैं इनकी आंखों में देख रहा हूं। इन विद्यार्थियों का मन है कि इस गांव में पढ़कर देश का नेतृत्व करें तथा देश और दुनिया की पढ़ाई जैतपुर के इस विद्यालय में पढ़ें। इसलिए प्रधानाचार्य ने कहा कि एक स्मार्ट क्लास रूम होना चाहिए तो यहां पर स्मार्ट क्लास रूम बनाएंगे, जिसमें कोटा और अन्य जगहों से जुड़कर विद्यार्थी विद्यालय के बाद भी कुछ अध्ययन-अध्यापन कर पाएंगे। अच्छा होगा कि यहां का मैनेजमेंट, यहां का स्टाफ इस बात की कल्पना करेगा कि स्मार्ट क्लास का उपयोग ज्यादा से ज्यादा हो, ताकि हम अपने नौजवान विद्यार्थियों की विलक्षण क्षमता को और अद्‌भुत कर सकें।

जैतपुर गांव जंगल की घाटियों के बीच बसा हुआ है। शिवकरण जी मुझे हमेशा बताते रहते थे कि हमारा गांव जंगल में बसा हुआ है और हमारी कई परेशानियां हैं। मैंने गांव में आकर परेशानियां देखी हैं। मैंने सरपंच साहब से भी कहा है कि आप कोई पट्टा दे दें तो सामुदायिक भवन बना दें। यहां के लोगों की मांग है। जिस दिन पट्टा लेकर आ जाएंगे, उस दिन सामुदायिक भवन के पैसे दे दिए जाएंगे। सीएसआर फण्ड से दें या कहीं से भी दें, लेकिन दे देंगे। इसमें लिए दो-चार लाख नहीं देंगे, बीस लाख का सामुदायिक भवन बनाएंगे और एक अच्छा सामुदायिक भवन बनाएंगे। यहां स्मार्ट क्लास भी बनाएंगे। विधायक महोदय ने यहां पर पांच लाख रुपये बाउंड्री वॉल के लिए दिए हैं तथा और भी पैसा देना चाहती हैं। हमारी कोशिश रहती है कि गांव के अभावों को कैसे दूर करें। जंगल अभयारण्य को दूर नहीं कर सकते हैं, लेकिन अभयारण्य के बाद भी सारी सुविधाएं मिलें, इसके लिए यहां के प्रतिनिधि मुझे आकर मिलेंगे, मैं सारे अधिकारियों को बुलाकर बात करूंगा। जो समस्याएं हैं, उनका क्या समाधान हो सकता है, यह भी देखेंगे।

अगर समाधान होने लायक होगा, तो आप जानते हैं कि हो जाएगा, रुकने वाला नहीं हैं। जो समाधान होने वाला नहीं होगा, वही नहीं होगा। जो समाधान होने वाला होगा और कानून की परिधि में आता होगा, वह काम तो नहीं रुकेगा। अगर कोई समाधान संभव नहीं तो उसके लिए नया रास्ता निकालेंगे। आप साल भर इंतजार कीजिए। उसके लिए भी कोई न कोई विकल्प ढूढेंगे। आप निश्चिंत रहिए, हम आपके गांव में आते हैं। आपकी बातों को सुनना, आपसे चर्चा करना, संवाद करना और किस तरीके से समस्या का समाधान करें, यह भी सोचते हैं। चर्चा, संवाद करके विधान सभा, लोक सभा मैं तो नहीं उठा सकता, क्योंकि मैं वहां पर लोगों की बात सुनता हूं, लेकिन मैं फील्ड में जाकर लोगों की बात जरूर सुनता हूं और उनके समाधान का रास्ता भी निकालता हूं।

आप निश्चिंत रहिए, हम आपके साथ हैं। आप इतना विश्वास और भरोसा रखिए। आपके भरोसे और विश्वास को कभी कम नहीं होने देंगे। काम आज नहीं होगा तो कल होगा, लेकिन होगा। अगर उस परिधि में आ गया तो होगा। कुछ चीजों में समय लग जाता है, क्योंकि फॉरेस्ट ऐसी चीज है, जिसमें बहुत समय लग जाता है। जैतपुर - खटकड़ सड़क को क्लीयर करने में मुझे कम से कम 6 महीने लगे। ऐसी बहुत सारी समस्याएं रहती हैं, जिनमें समय लग जाता है।

आप संपर्क में रहें, मेरी कोशिश रहेगी कि जो समस्याएं आपने बताईं हैं, उनका समाधान कर दूंगा।

———